अध्याय
4

शब्द-रचना

व्युत्पत्ति या बनावट के आधार पर शब्द प्रमुखत: तीन प्रकार के होते हैं- रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द।

4.1 रूढ़ शब्द

ऐसे शब्द जो वर्णों के योग से बने हों तथा किसी विशेष प्रकार के अर्थ को प्रकट करते हों, परंतु स्वतंत्र अवस्था में उनके वर्णों या खंडों का कोई अर्थ न होता हो, 'रूढ़ शब्द' कहलाते हैं।

जैसे- कल, पर

उपर्युक्त शब्द के टुकड़े या खंड 'क', 'ल', 'प', 'र' को देखने पर ज्ञात होता है कि इन टुकड़ों का कोई अर्थ नहीं है। अत: ये टुकड़े निरर्थक हैं।

इसी प्रकार अन्य रूढ़ शब्द- चूहा, राम, काला, गाय, हाथ, पैर, नाम, घर, दिन, शेर, कुत्ता, कमल, प्रासाद, फूल, सोना, छोटा, घोड़ा, बल इत्यादि।

4.2 यौगिक शब्द

यौगिक शब्द ऐसे शब्द होते हैं, जो कई सार्थक (दो या दो से अधिक) शब्दों के मेल से बने होते हैं।

जैसे-

- राजपुरुष = राज + पुरुष
- हिमालय = हिम + आलय
- देवदूत = देव + दूत
- पाठशाला = पाठ + शाला
- विद्यालय = विद्या + आलय
- शौचालय = शौच + आलय
- विज्ञान = वि + ज्ञान
- ईश्वर = ईश् + वर
- राजकमल = राज + कमल

4.3 योगरूढ़ शब्द

योगरूढ़ शब्द ऐसे शब्द होते हैं, जो यौगिक तो होते हैं परंतु वे किसी सामान्य अर्थ को न प्रकट कर किसी विशेष प्रकार के अर्थ को प्रकट करते हैं।

जैसे- पंकज, दशानन आदि।

पंकज = पंक + ज (कीचड़ में उत्पन्न होने वाला)

अपने सामान्य अर्थ में प्रचलित न होकर 'कमल' के अर्थ में रूढ़ हो गया। अत: पंकज योगरूढ़ शब्द है।

इसी प्रकार दशानन = दश + आनन (दस मुख वाला)

अपने सामान्य अर्थ में प्रचलित न होकर 'रावण' के अर्थ में रूढ़ हो गया। अत: दशानन योगरूढ़ शब्द है।

अन्य महत्त्वपूर्ण योगरूढ़ शब्द-

जलद, चक्रपाणि, लंबोदर, पीतांबर, नीलकंठ, हिमालय, चौमासा, चारपाई इत्यादि।

अति लघुउत्तरीय प्रश्न

1. योगरूढ़ शब्दों का आशय स्पष्ट करते हुए पाँच योगरूढ़ शब्दों का उल्लेख कीजिये।
2. यौगिक और योगरूढ़ शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनके दो-दो उदाहरण दीजिये।
3. रूढ़ शब्द का आशय स्पष्ट करते हुए पाँच शब्दों का उल्लेख कीजिये।